KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN SIR

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

BIHAR SSC

(10+2) Level Batch

Hindi Medium

BALVEER SIR

भारत मे राष्ट्रवाद

पार्ट :⇒ 8

दूसरा गोलमेज सम्मेलन

7 सित. 1931 से 1 दिस. 1931

कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप मे - गांधी जी ने भाग लिया

गांधीजी राजपुताना नामक जहाज से गए

अम्बेडकर भी शामिल हुए

→ जहाज => एस. एस. कान्टेसेरो

आयोजन स्थल :=> संत जेम्स महल

चर्चिल => देश द्रोही फकीर

फ्रेंक मोरिस => अघ रंगा फकीर

दुसरे गोलमेज सम्मेलन मे फुट डालो और राज करो की नीति के तहत- दलितो के लिए पृथक निर्वाचन क्षेत्र की घोषणा कर दी।

सहमति - अम्बेडकर

असहमति / विरोध - गांधीजी

28 दिस. 1931 – गांधीजी II गोलमेज सम्मेलन सम्मेलन से नाराज होकर वापस भारत आए।

दुबारा सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ

1932 - 1934

गांधी जी सक्रिय राजनीति से अलग हो गए

⇒ दुसरी बार आन्दोलन मे लोगो के उत्साह मे कमी देखकर गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन को बन्द कर दिया।

वायसराय लार्ड विलिंगटन ने इसे गैर कानुनी घोषित कर दिया।

रैम्जे मैकडोनाल्ड की घोषणा (1932)

साम्प्रदायिक निर्णय — 16 अगस्त 1932

मुस्लिमों, सिखों व ईसाईयों के साथ-साथ दलितों के लिए भी पृथक निर्वाचक क्षेत्र बनाने की घोषणा।

२५

पुना पैक्ट (समझौता) २६ सित॰ १९३२

समझौता मे मध्यस्ता ⇒ प॰ मदन मोहन मालवीय द्वारा

गांधी जी यरवदा जेल मे अनशन प्रारम्भ → २० Sep. १९३२

गांधीजी ने दलितो के लिए आरक्षित सीटो की संख्या बढ़ाने की बात कही (71 सीटो से 148 सीटे)

→ दुगना

गांधीजी के दलितो की स्थिति मे सुधार हेतु किए गए प्रयास :⇒

1932 ⇒ हरिजन सेवक संघ की स्थापना

जनवरी 1933 - हरिजन अखबार का प्रकाशन

8 मई 1933 - अस्पृश्यता को समाप्त करने हेतु 21 दिन का उपवास

7 नव. 1933 ⇒ 29 जुलाई 1934 (लगभग 9 माह)

→ यात्रा / मार्च ⇒ वर्धा यात्रा
हरिजन यात्रा

20,000 km की यात्रा

तीसरा गोलमेज सम्मेलन

17 नव. 1932 – २५ दिस. 1932

⇒ कांग्रेस ने बहिष्कार

तीसरा गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता ⇒ रेम्जे मेकडोनाल्ड

वायसराय :- विलिंगटन

भारत सरकार अधिनियम (1935)

⇒ साइमन कमीशन, नेहरू रिपोर्ट एवं तीनों गोलमेज सम्मेलन की बातों पर आधारित था।

⇒ भारतीय संविधान का 2/3 भाग इसी से लिया गया।

⇒ केन्द्र मे द्वैध शासन लागु

⇒ गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी मे भारतीयो की संख्या मे वृद्धि

⇒ केन्द्र व प्रांतो के बीच शक्ति विभाजन (संघ, राज्य, समवर्ती सूची)

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING